भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर
I.C.A.R.- NATIONAL RESEARCH CENTRE ON CAMEL, BIKANER

स्वच्छता पखवाड़ा (16 से 31 दिसम्बर 2020)

भारत सरकार के निर्देशानुसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ईमेल दिनांक 09.12.2020 14.12.2020 की अनुपालना में भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर में स्वच्छता अभियान के तहत दिनांक 16 से 31 दिसम्बर 2020 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है।

'स्वच्छ भारत अभियान' तहत गांव देवासर ढाणी कल्याणसर में पशु स्वास्थ्य शिविर एवं कृषक संवाद कार्यक्रम : दिनांक 18.12.2020

भाकृअनुप-राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा भारत सरकार (परिषद) के निर्देशानुसार मनाए जा रहे स्वच्छ भारत अभियान के तहत आयोज्य स्वच्छता पखवाड़ा (16 दिसम्बर- 31 दिसम्बर, 2020) कार्यक्रम में दिनांक 18.12.2020 को गांव देवासर ढाणी कल्याणसर में पशु स्वास्थ्य शिविर एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत देवासर ढाणी की राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित केन्द्र की इस महत्वपूर्ण गतिविधि में गांव के 53 महिला एवं पुरुष पशुपालकों एवं प्रबुद्ध जनों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। शिविर के दौरान विभिन्न पशुओं यथा- 15 ऊँट, 96 गाय, 16 भैंस, 331 बकरी एवं भेड़ का उपचार किया गया। साथ ही शिविर के दौरान आयोजित संवाद कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों ने ग्रामीण अंचल में स्वच्छता के महत्व एवं इससे विशेषकर पशुधन प्रभाविता को उजागर करने के ध्येय से पशुओं के रखरखाव, पशु उत्पादन, उनके स्वास्थ्य एवं पशु व्यवसाय में आने वाले समस्याओं पर पशुपालकों के साथ गहन चर्चा की।

इस अवसर पर केन्द्र निदेशक डॉ.आर.के.सावल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वच्छता के महत्व पर विशेष जोर दिया जा रहा है और गांवों में प्रमुख तौर पर पशुधन आजीविका का साधन है, ऐसे में स्वच्छता के प्रति जागरूकता अत्यंत जरूरी पहलू है ताकि किसान अपने पशुधन की विभिन्न बीमारियों से बचाव करते हुए उनसे उचित उत्पादन प्राप्त कर सकें। डॉ.सावल ने भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही अनुसूचित जाति उपयोजना को महत्वपूर्ण बताते हुए ग्रामीणों को इसका अधिकाधिक लाभ लिए जाने हेतु भी प्रोसाहित किया।

एससीएसपी योजना के नोडल अधिकारी डॉ.काशीनाथ ने शिविर में लाए गए पशुओं की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में सजगता बरतते हुए पशुओं से स्वच्छ दूध उत्पादन कैसे लिया जाए ? के बारे में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी दीं। उन्होंने इसके महत्व को बताते हुए कहा कि स्वच्छ दूध उत्पादन से पशुओं में थनैला रोग को काफी हद तक कम किया जा सकता है और पशु के दूध उत्पादन को भी बढ़ाया जा सकता है।

शिविर एवं संवाद कार्यक्रम के पश्चात् केन्द्र के वैज्ञानिक एवं अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ विद्यालय परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में सघन साफ-सफाई भी की गई। इस पशु स्वास्थ्य कैम्प में श्री मनजीत सिंह ने पशुपालकों के पंजीयन, उपचार, दवा व पशु आहार वितरण जैसे विभिन्न कार्यों में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा
16 - 31 दिसम्बर, 2020
कोरोना से बचें
राजकीय प्राथमिक विद्यालय
देवासर ढाणी कल्याणसर

स्वच्छता पखवाड़ा
16 - 31 दिसम्बर, 2020
कोरोना से बचें
राजकीय प्राथमिक विद्यालय
देवासर ढाणी कल्याणसर

राजकीय प्राथमिक विद्यालय
देवासर ढाणी कल्याणसर

देवासर ढाणी कल्याणसर
राजकीय प्राथमिक विद्यालय
देवासर ढाणी कल्याणसर

देवासर ढाणी कल्याणसर